

७ ५४८१९

29.8.19

पत्रावली पेश हुई। ककील जगी उपस्थित नहीं
मूल पत्र अन्तर्गत थी। अन्तर्गत जरी में
स्वदिन ही चुकाई। अतः प्रा.पत्र में कोई
सम्बन्ध शेष नहीं होने से स्वदिन किया
जाता है। मिसल फैलन शुकाए होकर नंबर से
कम की आकर दालिब नपटा हो।

